

इंटरनेट के उपयोग और सीखने के उद्देश्य पर एक अध्ययन

डॉ. कंचन जैन, शिक्षाशास्त्र विभाग, सनराइज विश्वविद्यालय

शोध सार

इंटरनेट के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक दुनिया के सभी कोनों से लोगों को जोड़ने की इसकी क्षमता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, वीडियो कॉन्फरेंसिंग टूल और इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप ने भौगोलिक दूरी की परवाह किए बिना दोस्तों, परिवार और सहकर्मियों के साथ संपर्क में रहना पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है। इस अंतर्संबंध ने वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान, समझ और सहयोग को बढ़ावा दिया है। इंटरनेट के उपयोग के वृद्धि ने पिछले दशक के दौरान दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया है। छात्रों और शिक्षकों के लिए, इंटरनेट शैक्षिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। इसके अलावा, एक नए प्रकार का मल्टीमीडिया दृष्टिकोण वेब को न केवल कक्षा में, बल्कि पाठ्यपुस्तक में भी उपलब्ध करा रहा है। यह अध्ययन इंटरनेट के उपयोग की तीव्रता, इंटरनेट का उपयोग करने के कारणों, छात्र जीवन पर इंटरनेट के प्रभाव, इंटरनेट के माध्यम से, वेब-आधारित व्याख्यान नोट्स, अभ्यास, एक इलेक्ट्रॉनिक चर्चा पैनल और एक आंतरिक पाठ्यक्रम ईमेल संचार प्रणाली और वेब-आधारित सीखने के बारे में उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में छात्रों के विचार जानने के लिए एक तुर्की विश्वविद्यालय में किए गए ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। नमूना तुर्की में मरमारा विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों से लिया गया था। 744 छात्रों ने ऑनलाइन सर्वेक्षण का उत्तर दिया, लेकिन निष्कर्षण के बाद 720 सर्वेक्षण परिणामों का मूल्यांकन द्वारा किया गया। मूल्यांकन प्रक्रिया पर, आवृत्ति और प्रतिशत ग्राफ को स्केच किया गया और परिणामों की तुलना क्रॉस-टेबल्स से की गई। परिणाम संकेत देते हैं कि भविष्य में शिक्षा की रूपरेखा बदल जाएगी, ज्यादातर छात्र इंटरनेट तक पहुंचेंगे और इंटरनेट के माध्यम से अपने पाठ्यक्रम लेंगे। युवा पीढ़ी बहुत कम उम्र में ही इंटरनेट के संपर्क में आ जाती है और इससे निकट

भविष्य में इंटरनेट का उपयोग तेजी से बढ़ेगा। स्कूल से संबंधित काम के लिए शोध के बाद नमूने में ई-मेल भेजना प्राप्त करना सबसे ऊपर है। लगभग पचास प्रतिशत छात्रों का मानना है कि घर पर इंटरनेट का उपयोग उनके ग्रेड-पॉइंट-औसत को बेहतर बनाता है।

मुख्य शब्द— सीखना, छात्र प्राथमिकताएँ, इंटरनेट का उपयोग।



प्रस्तावना

इंटरनेट, कंप्यूटर के नेटवर्क से जुड़ा एक विशाल डिजिटल क्षेत्र है, जिसने हमारे जीने, काम करने और बातचीत करने के तरीके में क्रांति ला दी है। इसके उद्भव ने संचार, शिक्षा, वाणिज्य और मनोरंजन के लिए अभूतपूर्व अवसर लाए हैं। हालाँकि, किसी भी शक्तिशाली उपकरण की तरह, इंटरनेट भी अपनी चुनौतियों और जोखिमों का हिस्सा प्रस्तुत करता है।

इंटरनेट ने जानकारी तक पहुँचने और उसका उपभोग करने के हमारे तरीके को बदल दिया है। ऑनलाइन सर्च इंजन ने सेकंडों में रुचि के लगभग किसी भी विषय को खोजना संभव बना दिया है। शैक्षिक संसाधन, जैसे ऑनलाइन पाठ्यक्रम, ट्यूटोरियल और शोध पत्र, इंटरनेट कनेक्शन वाले किसी भी व्यक्ति के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। ज्ञान के इस

लोकतंत्रीकरण ने व्यक्तियों को अपनी गति से सीखने और अपने क्षितिज का विस्तार करने का अधिकार दिया है।

व्यापार के क्षेत्र में, इंटरनेट ने उद्यमियों और सभी आकार के व्यवसायों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने किसी के लिए भी ऑनलाइन स्टोर शुरू करना और वैश्विक बाजार तक पहुँचना संभव बना दिया है। ऑनलाइन मार्केटप्लेस ने दुनिया भर के खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ा है, जिससे व्यापार और आर्थिक विकास में सुविधा हुई है। इंटरनेट ने मनोरंजन उद्योग में क्रांति ला दी है। स्ट्रीमिंग सेवाएँ फिल्मों, टीवी शो और संगीत की एक विशाल लाइब्रेरी प्रदान करती हैं, जिससे उपयोगकर्ता माँग पर सामग्री तक पहुँच सकते हैं। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म ने गेमर्स के जीवंत समुदाय बनाए हैं जो दुनिया भर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा और सहयोग कर सकते हैं। इसके कई लाभों के बावजूद, इंटरनेट महत्वपूर्ण चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है। गोपनीयता, सुरक्षा और गलत सूचना के प्रसार के बारे में चिंताएँ तेजी से प्रचलित हो गई हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा एकत्र किए गए डेटा की विशाल मात्रा का दुरुपयोग किया जा सकता है, जिससे पहचान की चोरी, साइबरबुलिंग और अन्य हानिकारक परिणाम हो सकते हैं। झूठी सूचनाओं का तेजी से प्रसार, जिसे अक्सर सोशल मीडिया एल्गोरिदम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, सार्वजनिक चर्चा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। इंटरनेट के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक दुनिया के सभी कोनों से लोगों को जोड़ने की इसकी क्षमता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल और इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप ने भौगोलिक दूरी की परवाह किए बिना दोस्तों, परिवार और सहकर्मियों के साथ संपर्क में रहना पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है। इस अंतर्संबंध ने वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान, समझ और सहयोग को बढ़ावा दिया है। व्यापार के क्षेत्र में, इंटरनेट ने उद्यमियों और सभी आकार के व्यवसायों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने किसी के लिए भी ऑनलाइन स्टोर शुरू करना और वैश्विक बाजार तक पहुँचना संभव बना दिया है। ऑनलाइन मार्केटप्लेस ने दुनिया भर के खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ा है, जिससे व्यापार और आर्थिक विकास में सुविधा हुई है।

इंटरनेट ने मनोरंजन उद्योग में क्रांति ला दी है। स्ट्रीमिंग सेवाएँ फिल्मों, टीवी शो और संगीत की एक विशाल लाइब्रेरी प्रदान करती हैं, जिससे उपयोगकर्ता माँग पर सामग्री तक पहुँच सकते हैं। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म ने गेमर्स के जीवंत समुदाय बनाए हैं जो दुनिया भर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा और सहयोग कर सकते हैं। इसके कई लाभों के बावजूद, इंटरनेट महत्वपूर्ण चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है। गोपनीयता, सुरक्षा और गलत सूचना के प्रसार के बारे में चिंताएँ तेजी से प्रचलित हो गई हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा एकत्र किए गए डेटा की विशाल मात्रा का दुरुपयोग किया जा सकता है, जिससे पहचान की चोरी, साइबरबुलिंग और अन्य हानिकारक परिणाम हो सकते हैं। झूठी सूचनाओं का तेजी से प्रसार, जिसे अक्सर सोशल मीडिया एल्गोरिदम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, सार्वजनिक चर्चा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। व्यवहार को बढ़ावा देकर, उपयोगकर्ता की गोपनीयता की रक्षा करके और गलत सूचना के प्रसार का मुकाबला करके, हम इंटरनेट की पूरी क्षमता का दोहन कर सकते हैं और इसके नकारात्मक परिणामों को कम कर सकते हैं।

मई 2003 में नीलसन नेटरेटिंग्स इंक द्वारा रिपोर्ट की गई यूनाइटेड किंगडम में औसत वेब उपयोग घर और काम दोनों के लिए प्रति माह लगभग 12 घंटे था, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए इसी आँकड़े प्रति माह 13.5 घंटे थे (साइबर एटलस, 16 जून 2003)। संयुक्त राज्य अमेरिका में, वेब पर बिताया गया कुल समय लगभग 99 घंटे प्रति माह था (घर पर 25.5 घंटे और काम पर 73.5 घंटे) इंटरनेट का तेजी से प्रसार संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अद्वितीय नहीं है। यूरोपीय संघ में इंटरनेट की पहुंच ने भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत तेजी से विकास दिखाया है। ऑनलाइन घरों की संख्या मार्च 2000 में 18.3 प्रतिशत से बढ़कर जून 2002 में 40.4 प्रतिशत हो गई है। पांच देश अब 50: प्रवेश दर को पार कर गए हैं, जिसमें नीदरलैंड सबसे आगे (66:) है, उसके बाद डेनमार्क (65:), स्वीडन (64:), लक्जमबर्ग (55:) और फिनलैंड (54 प्रतिशत) हैं। ग्रीस की प्रवेश दर ईयू में सबसे कम 9 प्रतिशत (ईयूरोपा) के साथ थी। 2002 के अंत तक, दुनिया के 48 देशों में इंटरनेट की आबादी 1 मिलियन या उससे अधिक थी (साइबर एटलस, 11 जून)। इंटरनेट तकनीक और

उपयोग में संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। कुल मिलाकर, यह अनुमान लगाया गया था कि 143 मिलियन अमेरिकी (अमेरिकी आबादी का 54 प्रतिशत) इंटरनेट का उपयोग कर रहे थे, जापान में 56% मिलियन लोगों और 44 प्रतिशत पहुंच दर के साथ दूसरी सबसे बड़ी ऑनलाइन आबादी थी, जबकि दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश चीन 46% मिलियन लोगों के साथ तीसरे स्थान पर था, लेकिन उसकी पहुंच दर केवल 4 प्रतिशत थी। तुर्की में 2.5% मिलियन लोग ऑनलाइन थे और उनकी पहुंच दर 4 प्रतिशत थी।

समान पहुंच सीमा वाले देश रोमानिया (4%), चीन (4%), मैक्सिको (3%), कोलंबिया (3%), इंडोनेशिया (2%), पाकिस्तान (1%) और भारत (1%) थे। इंटरनेट लाखों कंप्यूटरों के बीच सम्बन्ध की एक वैश्विक प्रणाली है जो सूचना तक लगभग तुरंत पहुंच और प्रसार की अनुमति देती है। उच्च शिक्षा में एक शिक्षण उपकरण के रूप में इंटरनेट का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। आज, अकादमिक पाठ्यक्रम वेबसाइटों के विकास में वृद्धि हुई है, जिनमें बड़ी मात्रा में शिक्षण सामग्री शामिल है।

(एएफटी, 2001 बॉक, 2001) विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ाए जाने वाले सभी क्षेत्रों के पाठ्यक्रमों के लिए वेब पेज देखना आम बात है, जो पारंपरिक कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों के पूरक के रूप में पाठ्यक्रम नोट्स और संबंधित संसाधन प्रदान करते हैं।

(जायने, 2001) इंटरनेट का उपयोग मुख्य रूप से शिक्षक से छात्र तक सूचना स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। हालाँकि, वेब पर केवल शैक्षणिक सामग्री पोस्ट करने से छात्र इन सामग्रियों का उपयोग अपने सीखने या पाठ्यक्रम की समझ को बढ़ाने के लिए नहीं कर सकते हैं।

(कमिंग्स, बॉक, और जैकब्स, 2002) बॉर्क (2001) ने दावा किया कि हालाँकि वेब-आधारित सीखने के लिए बहुत अधिक मात्रा में सामग्री विकसित की गई है, लेकिन इन सामग्रियों की सीखने की प्रभावशीलता पर बहुत कम अनुभवजन्य विचार किया गया है।

वेब-आधारित सीखने के वातावरण का उपयोग करने वाले शिक्षकों को सीखने की प्रक्रिया का बेहतर ढंग से पालन करने और ऑनलाइन पाठ्यक्रम संरचना की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए शिक्षार्थियों से वस्तुनिष्ठ प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए बिना किसी दखल और स्वचालित तरीकों की तत्काल आवश्यकता है।

(जायने, 2001) वेब शिक्षार्थी की अन्तरक्रियाशीलता और सहभागिता के कई रूपों का समर्थन करता है, और संसाधनों के विशाल भंडार तक पहुँच प्रदान करता है।

(मिओडूसर और नचमियास, 2002 ओलिवर और मैकलॉघलिन, 1999) वेब का उपयोग शिक्षार्थियों की पहुँच और सुविधा में सुधार, लागत कम करने और कार्यस्थल के लिए सामग्री की प्रासंगिकता बढ़ाने की जरूरतों के जवाब में किया जाता है (बेलर और ऑर, 1998)। इंटरनेट को उच्च शिक्षा शिक्षण में इस हद तक लागू किया गया है कि कुछ लोग तर्क देते हैं कि हम सीखने की एक नई संस्कृति के निर्माण को देख रहे हैं।



इंटरनेट का भविष्य

कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 80 प्रतिशत से अधिक संकाय मानते हैं कि वेब-आधारित तकनीक छात्रों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देती है)। यह भी देखा गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के 62 प्रतिशत संकाय पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं, 56 प्रतिशत पाठ्यपुस्तकों के पूरक के लिए वेब का उपयोग करते हैं, जबकि 51 प्रतिशत इसका उपयोग पाठ्यक्रम की नवीनतम सामग्री सुनिश्चित करने के लिए

करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ी संख्या में प्रोफेसर अब ब्लैकबोर्ड या वेबसीटी जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग करके व्याख्यान की रूपरेखा, पाठ्यक्रम की आवश्यकताएँ, गृहकार्य, आवश्यक पठन और दिशा-निर्देश वेब पर डालते हैं। वे अक्सर ई-मेल के माध्यम से अपने छात्रों से संवाद भी करते हैं। इस प्रकार, घर पर इंटरनेट तक पहुँच होना अमेरिकी छात्रों के लिए एक बड़ा लाभ है। इंटरनेट तक पहुँचने की उनकी क्षमता के कारण उनके जीवन में कार्यस्थल और घर पर बहुत सुधार होगा। उन्हें लगा कि वे इंटरनेट की वजह से ज्यादा उत्पादक बनेंगे और कुछ ने तो यहाँ तक कहा कि ‘वे भविष्य में दोस्तों, परिवार और सहकर्मियों से संवाद करने, समाचार और खेल पढ़ने, संगीत सुनने, वीडियो देखने और ऑनलाइन खरीदारी करने के लिए ऑनलाइन न होने के बिना एक दिन भी बिताने की कल्पना नहीं कर सकते।’ कुछ चिंताएँ भी थीं। ये मुख्य रूप से ऑनलाइन गोपनीयता और सुरक्षा के इर्द-गिर्द घूमती थीं, जिसके बारे में उन्हें उम्मीद थी कि निकट भविष्य में इसका समाधान हो जाएगा।

निष्कर्ष

इंटरनेट एक शक्तिशाली उपकरण है जिसमें अनगिनत तरीकों से हमारे जीवन को बेहतर बनाने की क्षमता है। हालाँकि, इसके उपयोग से जुड़े जोखिमों और चुनौतियों को पहचानना आवश्यक है। जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार को बढ़ावा देकर, उपयोगकर्ता की गोपनीयता की रक्षा करके और गलत सूचना के प्रसार का मुकाबला करके, हम इंटरनेट की पूरी क्षमता का दोहन कर सकते हैं और इसके नकारात्मक परिणामों को कम कर सकते हैं। इंटरनेट, कंप्यूटर के नेटवर्क से जुड़ा एक विशाल डिजिटल क्षेत्र है, जिसने हमारे जीने, काम करने और बातचीत करने के तरीके में क्रांति ला दी है। इसके उद्भव ने संचार, शिक्षा, वाणिज्य और मनोरंजन के लिए अभूतपूर्व अवसर लाए हैं। हालाँकि, किसी भी शक्तिशाली उपकरण की तरह, इंटरनेट भी अपनी चुनौतियों और जोखिमों का हिस्सा प्रस्तुत करता है। इंटरनेट ने जानकारी तक पहुँचने और उसका उपभोग करने के हमारे तरीके को बदल दिया है। ऑनलाइन सर्च इंजन ने सेकंडों में रुचि के लगभग किसी भी विषय को खोजना संभव बना दिया है। शैक्षिक संसाधन, जैसे ऑनलाइन पाठ्यक्रम, ट्यूटोरियल और

शोध पत्र, इंटरनेट कनेक्शन वाले किसी भी व्यक्ति के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। ज्ञान के इस लोकतंत्रीकरण ने व्यक्तियों को अपनी गति से सीखने और अपने क्षितिज का विस्तार करने का अधिकार दिया है।

सन्दर्भ

- Mioduser, D., & Nachmias, R. (2002). "WWW in education. In H. Adelsberger, B. Collis, & M. Pawlowski (Eds.), "Handbook on information technologies for education and training".
- Berlin: Springer. Oliver, R., & McLoughlin, C. (1999). "Curriculum and learning-resources issues arising from the use of web-based course support systems". Ed-Media '99 Workshop obtained online at: <http://education2.edte.utwente.nl/edmedia.nsf/framesform>.
- Ryan, S. M. (1994). "Uncle Sam online: government information on the Internet". Communication Education, 43, 151–158.
- Reisberg, Leo, (June 16, 2000). "10% of Students May Spend Too Much Time Online," The Chronicle of Higher Education, , p. A43. Sevdik, Ayisigi and Varol Akman, "Internet in the Lives of Turkish Women," First Monday, obtained online at: http://www.firstmonday.dk/issues/issue7_3/sevdik/
- Zaiane, O. R. (2001). "Web usage mining for a better web-based learning environment" obtained online at: <http://www.cs.ualberta.ca/~zaiane/postscript/CATE2001.pdf>.
- R. Nachmias, L. Segev (2003). "Students' use of content in Web-supported academic courses". Internet and Higher Education 6 145–157.